# अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर–दिसम्बर 2021

**परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)**

**विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन**

दि. 30/01/2022 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (1) कुल दस प्रश्नोंमें से केवल पाँच प्रश्न के उत्तर लिखिये ।
(कोई भी पाँच)
(2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

**प्र. 1** राग पुरिया अथवा मिया मल्हार में बडाख्याल / मसीतखानी गत पं. पलुस्कर पध्दति सें स्वर लिपिबध्द किजिये । तथा उस राग के दो आलाप तथा तीन ताने लिखिए । (10+2+3=15)

**प्र. 2** निचे दिए गए स्वरसमुदायों से राग पहचानिए तथा उस राग की जानकारी लिखिए । (15)

i) ग प ध॒ प गपगरे॒सा ध़॒ध़॒सा

ii) निं सा, ग् म् प, म् ग् मऽग् रे् सा

iii) ऩिध़ऩिरे॒ सा ऩि रे॒ग म॑ध

iv) सानिंरे॒सा, निं म॒ग, निं रे॒सा

v) म॑धनिम॑ध सांध, म॑ग, म॑ ग सा

**प्र. 3** निचे दिए गए तालों की जानकारी लिखकर लिपीबध्द किजिये । (5+5+5=15)

i) ताल आडाचौताल ठाह तथा तिगुन (पं. पलुस्कर लिपी)

ii) ताल धमार – ठाह तथा एक आवर्तन मे दुगुन (पं. भातखंडे लिपी)

iii) ताल सूलताल – ठाह तथा दुगुन (पं. पलुस्कर लिपी)

प्र. 4 वर्तमान काल के दो गायक/वादकों की गायन-वादन शैलीयोंका परिचय दीजिये। (15)

प्र. 5 संगीत के घरानों का इतिहास इस विषयपर विस्तार से लिखिए। (15)

प्र. 6. सारणा चतुष्टी के भरत द्वारा किये प्रयोगोंका विवेचन कीजिये। (15)

प्र. 7 (अ) इस वर्ष के साधारण ज्ञान के रागो में किसी एक राग में धृपद ठाह तथा दुगुन पं. पलुस्कर लिपी में लिखिए। (10)

(ब) जोडीयाँ मिलाइए। (5)

| | | |
|---|---|---|
| i) | तराना | तबला |
| ii) | सेमी टोन | मंद्र सप्तक प्रधान |
| iii) | सोहनी | अर्थहीन शब्द |
| iv) | उस्ताद झाकीर हुसेन | तारसप्तक प्रधान |
| v) | दरबारी कानडा | अर्थ स्वरोत्तर |

प्र. 8 राग जोडीयोंका तुलनात्मक विवेचन कीजिये। (कोई तीन) (3X5 =15)

i) भूप – देसकार
ii) पुरिया – मारवा
iii) पुरिया धनाश्री – बसंत
iv) कामोद – केदार

प्र. 9 मार्गी संगीत, परमेल प्रवेशक राग, वृंदगान इन तीन विषयोंपर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (3X5 =15)

प्र. 10 स्वरसप्तक के विकास को प्राचीन से अधुनिक काल तक विस्तारपूर्वक समझाइये। (15)